>

Title: Regarding harassment meted out to the Hindi speaking people in Assam by secessionist forces.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : उपाध्यक्ष महोदय, मैं राष्ट्रीय महत्व के अत्यन्त गंभीर विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। आज असम में चाहे असंगठित मजदूर हों, बिहारी मजदूर हों, हिन्दी भाषा-भाषी मजदूर हों या देशभर के गैर-असमी मजदूर हों, उग्रवादियों द्वारा संगठित रूप से लगातार निशाना बनाकर उन पर हिंसक हमले किए जा रहे हैं और नरसंहार किया जा रहा है। यह सिलसिला रुक नहीं रहा है। यह चिन्ता का विषय है। 9 मार्च, 2008 को डिब्रूगढ़ जिले में पांच ईंट-भट्टे मजदूरों की हत्या कर दी गई। फरवरी में उग्रवादियों द्वारा नार्थ कछार हिल जिले में चार लोगों को जिन्दा जला दिया गया। 24 फरवरी को दो हिन्दी भाषा-भाषी लोगों को करबी आलोंग जिले में मार दिया गया। मैं कहना चाहता हूं कि आज असम में जो गतिविधि हो रही है, चाहे उग्रवादी संगठनों द्वारा हुई हो, वहां जिस तरह का वातावरण पनप रहा है, उससे देश की एकता और अखंडता अछुन्न नहीं रहेगी। इस तरह की घटनाएं लगातार हों, उन पर कोई अंकुश नहीं लगाया जाए, असम सरकार केवल मूकदर्शक बनी हुई है। केन्द्र सरकार से कहा जा रहा है कि पैरा-मिलिट्री फोर्स जा रही है। हम जानना चाहते हैं कि यह सिलसिला थम क्यों नहीं रहा है? हम केन्द्र सरकार से मांग करते हैं कि वह राज्य सरकार से वार्ता करके ज्वाइंट ऑपरेशन चलाकर हिन्दी भाषा-भाषी लोगों पर जो हिंसक हमले हो रहे हैं, उन पर तुंत रोक लगाए। असम में विचित्र वातावरण फैल रहा है। भारत के संविधान के आर्टीकल 41 के तहत हिन्दुस्तान के किसी कोने में कोई भी आदमी बस सकता है, रोजी-रोटी कमा सकता है।...(व्यवधान) इसके बावजूद संविधान में दिए गए प्रावधान को खंडित किया जा रहा है।

हम आपके माध्यम से आग्रह करते हैं कि सरकार इसमें हस्तक्षेप करे और वहां तुंत ज्वाइंट ऑपरेशन चलाए।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : श्री किरेन रिजीजू को भी इनके साथ एसोसिएट किया जाता है।

â€¦(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव (पटना) : महोदय, हमें भी बोलने का समय दिया जाए।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : राम कृपाल जी, मेरे पास आपका नोटिस नहीं है, लेकिन इनका नोटिस आ गया है।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : जो माननीय सदस्य इनके साथ एसोसिएट करना चाहते हैं, वे मुझे स्लिप भेज दें।

â€¦(व्यवधान)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : उपाध्यक्ष जी, मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का समय दिया।...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please listen to him.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : यह बात सही है कि असम में बड़ी तादाद में उत्तर प्रदेश, बिहार के हिन्दी भाषी लोगों की हत्याएं हो रही हैं। हमने कई बार इस विषय को उठाया है। असम सरकार और केन्द्र सरकार को इस बारे में रिस्पौंड करना चाहिए। हमारा मानना है कि फैडरल सिस्टम में एक-एक इंच जमीन पर किसी भी व्यक्ति को जाने का अधिकार है। ...(व्यवधान) आज लोग नौकरी की तलाश में अरब कंट्रीज़ और अरमीका जा सकते हैं तो वे अपने देश में भी कहीं जा सकते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि हिन्दी भाषी लोगों की रक्षा होनी चाहिए। यह सरकार हिन्दी भाषी लोगों की रक्षा करने में नाकामयाब रही है क्योंकि बिहार में कांग्रेस को केवल नौ सीटें मिली हैं।...(व्यवधान) इन्हें बिहार के लोगों की कोई चिन्ता नहीं है।...(व्यवधान) बिहारी लोगों की हत्याएं हो रही हैं और कांग्रेस सरकार हाथ पर हाथ धरकर बैठी हुई है।...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से अनुरोध करता हूं कि हिन्दी भाषी लोगों पर इस सरकार के जमाने में जो जुल्म, ज्यादती हुई है, उसके लिए सरकार नींद से जागेगी और हत्याओं को रोकने का प्रयास करेगी। [N23]

सिर्फ बयानबाजी से काम नहीं चलेगा।..(व्यवधान) आज बड़ी तादाद में लोग वहां से पलायन कर गये है। लोगों की हत्या हो रही है।...(व्यवधान) यह विषय बहुत गंभीर है इसलिए मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहता हूं कि उन लोगों की रक्षा की जाये। ...(व्यवधान)

श्री सुरेन्द्र प्रकाश गोयल (हापुड़): उपाध्यक्ष महोदय, मैं श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव जी के साथ अपने को संबद्ध करता हूं।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : रिजीजू जी, आप अपनी बात एक मिनट में खत्म करिये।

â€¦(व्यवधान)

श्री किरेन रिजीजू (अरुणाचल पश्चिम): मैंने नोटिस दिया है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: मैं आपको उनके साथ एसोसियेट कर देता हूं।

â€¦(व्यवधान)

श्री किरेन रिजीजू : मैं एसोसियेट नहीं करूंगा, क्योंकि इसके साथ मेरा एक टॉपिक बम ब्लास्ट का भी जुड़ा हुआ है। मैं इसे कैसे एसोसियेट करके छोड़ दूं।...(व्यवधान) मैं इस बारे में आपको रेगुलर नोटिस दे रहा हूं। ...(व्यवधान) मैंने दो इश्यू पर नोटिसेज दिये हैं। ...(व्यवधान) राम कृपाल जी आप सुनिये। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : इस इश्यू पर उन्होंने नोटिस दिया है। उनका नाम लिस्ट में है।

â€¦(व्यवधान)

श्री किरेन रिजीजू : इन दोनों इश्यूज को समझना होगा। ...(व्यवधान) राम कृपाल जी, आप एसोसियेट कर दीजिए। ...(व्यवधान) यह क्यों डिस्टर्ब कर रहे हैं? ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : रिजीजू जी, आप अपनी बात कन्टीन्यू रखिये।

â€¦(व्यवधान)

श्री किरेन रिजीजू : मैं दो मुद्दे उठा रहा हूं। ...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: You can raise only one matter at a time. I cannot allow two matters.